RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 4 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 30 जून 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

हमारे यात्रा पथ

फोटो- केशव भट्ट

मानसून में गाड़-गधेरों की तेज धार, भूस्खलन

जगह-जगह बोल्डर-मलबा गिरने से यातायात अवरोध

कार्यालय प्रतिनिधि

मानसून की दस्तक के साथ ही पहाड़ों में गाड़-गधेरों की धार तेज हो चुकी है और भूस्खलन की सूचनाएं मिली हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार राज्य में मानसून सात दिन पूर्व पहुँचा। मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। ऐसे में यात्रा पर आने-जाने वालों को सावधानी बरतनी चाहिये। बरसात के मौसम में मार्ग अवरुद्ध न हों और मैदानी क्षेत्र में जलभराव-बाढ़ जैसी स्थिति न हो, इसके लिये प्रशासन अलर्ट मोड पर है और कन्ट्रोल रूम स्थापित किये गये हैं जो मौसम सम्बन्धी जानकारी के अलावा आपदा प्रभावित क्षेत्रों पर निगरानी रखेंगे।

प्रदेश के दोंनों मण्डलों में बारिश का असर होने लगा है। ऐसे में यात्रियों से सुरक्षात्मक चलने को कहा गया है। गौरीकुण्ड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर जंगलचट्टी के पास पहाड़ी से हुए भूस्खलन से खतरा है। इसमें बोल्डर गिरने पर रेलिंग टूटने से दो मजदूरों की मौत पहले ही हो चुकी है। मोरी के मोरा गाँव स्थित गुर्जर बस्ती में एक आवासीय भवन की दीवार गिरने से पति-पत्नी और उनके दो बच्चों की दर्दनाम मौत हो गई। मलबे में दबे परिवार की दम घुटने से के कारण यह मौत हुई।

बारिश से आदि कैलास मोटर मार्ग पर मलघाट में भारी मलबा आ गया। बोल्डर आने से यातायात में व्यवधान हो रहा है। टनकपुर-तवाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेतुलधार में मलबा आने से चीन सीमा को जोड़ने वाली सड़क परेशानी का कारण बन चुकी है। बन्द सड़क पर घण्टों परेशानी यात्री जैसे-तैसे गंतव्य तक पहुंच पाए हैं। थल-मुनस्यारी मोटर मार्ग में बनिक के पास पहाड़ी के दरकने से आवाजाही में व्यवधान है। जौलजीवी-झूलाघाट, बांसबगड़-कोटा सड़क में भी भूस्खलन से यातायात बाधित हो रहा है। मिलम मोटर मार्ग के पास रड़गाड़ी के पास भूस्खलन से आवागमन अवरुद्ध हो रहा है। माइग्रेशन में जाने वाले लोगों के लिये खाद्यान्न आदि सामग्री पहुँचाने में कठिनाई हो रही है। मल्ला जोहार विकास समिति ने दुर्गम क्षेत्रों में विशेष सावधानी व अलर्ट के साथ प्रशासन से शीघ्र मदद की मांग की है। डीडीहाट में

शेष पृष्ठ 2 पर

भारत के मीलपत्थर

द्रोपदी : अपने समय का अद्वितीय नारी चरित्र

सूर्यकान्त बाली

द्रौपदी को जुए में हार जाने का क्षुद्र और पाप कर्म करने के बाद युधिष्ठिर की तो बोलती बन्द हो गई। धृतराष्ट्र एवं दुर्योधन की सेवकाई में खड़े भीष्म-द्रोण आदि के पसीने तो छूट रहे थे, पर मुंह नहीं खुल रहा था। द्रौपदी को जीत लेने के मद में जब दुर्योधन ने विदुर को द्रौपदी को राजसभा में लाने का आदेश दिया तो दुर्योधन को अभूतपूर्व फटकार सुनने के बाद महात्मा विदुर ने एक सवाल भी खड़ा कर दिया- अनीशेन हि राजैज्ञा पणे न्यस्ता (सभापर्व 66.4) अर्थात् राजा युधिष्टिर ने खुद को जुए में हारकर द्रौपदी को दाँव पर लगाया है तो क्या हारा हुआ आदमी किसी को दाँव पर लगा सकता है?

विदुर ने क्या कहा, इसकी द्रौपदी को कोई खबर नहीं थी। पर जो सवाल विदुर ने किया, ठीक वही सवाल द्रौपदी का भी था। विदुर द्वारा द्रौपदी को राजसभा में लाने से साफ मना कर देने पर दुर्योधन ने अपन एक सूत प्रतिकामी को द्रौपदी को राजसभा में लोने का आदेश दिया। प्रतिकामी तीन बार गया, पर पहली दो बार द्रौपदी ने एसे एक-एक सवाल पूछकर वापस भेज दिया। पहली बार का सवाल था, 'जाकर उस जुआरी महाराज से पूछो कि वे पहले खुद हारे थे या पहले मुझे हारे थे?' युधिष्ठिर कोई उत्तर नहीं भिजवा पाए। दूसरी बार सवाल कुरुवंशियों से था, 'कुरुवंशियों से जाकर पूछो कि मुझे क्या करना चाहिए? वे जैसा आदेश देंगे, मैं वैसा करूँगी।' सवाल सीधे धृतराष्ट्र और भीष्म सरीखे कुरुबंशियों से था और आदेश भी उन्हीं से मांगा जा रहा था, पर वे सब सिर नीचा किए रहे और उनके मुंह सिले रहे। बस, एक सन्देश युधिष्ठिर का गया कि अगर तुम रजस्वला और एकवस्त्रा होने के बावजूद राजसभा में आओगी तो सभी सभासद मन ही मन दुर्योधन की निन्दा करेंगे। प्रतिकामी तीसरी बार फिर द्रौपदी के पास गया तो उतावले दुर्योधन ने इस बीच दुश्शासन को द्रौपदी को लाने को भेज दिया और उसके बाद जो दुर्घटित घटा, वह हर भारतवासी जानता है।

हम संकेत विदुर और द्रौपदी द्वारा पूछे गए सवालों की ओर कर रहे थे। दुश्शासन द्वारा बालों से घसीटी जाती हुई और विवस्त्र की जाती हुई द्रौपदी ने राजसभा में लाए जाने के बाद अपनी उस दुरवस्था में भी वही सवाल दूसरे शब्दों में पूछा जो विदुर ने पूछा था- 'इमं प्रश्नमिमे ब्रूत सर्व एव सभासद:/जितां वाप्यजितां वा मां मन्यध्वे सर्वभूमिपा:?' (सभा पर्व, 67, 41 क)

'सारे राजन्य लोग जो यहाँ बैठे हैं मुझे बताएँ। मेरे इस सवाल का जवाब दें कि मैं (धर्म के अनुसार) जीती गई हूँ या नहीं? भीष्म बोले कि धर्म का स्वरूप अत्यन्त सूक्ष्म होने के कारण मैं कुछ बता नहीं सकता। बांकी कोई कुछ बोला ही नहीं। सभी अपने-अपने मुँह पर धृतराष्ट्र और दुर्योधन से मिलने वाले वेतन की पट्टी बाँधे बैठे रहे।

बेशक महाभारत ने और इतिहास ने धर्मराज का खिताब महाराज युधिष्ठिर को दे दिया हो, पर धर्म पर जैसा सटीक आचरण महाराज ने आजीवन किया, उसकी कोई मिसाल पूरे महाभारत में हमें नहीं मिलती। युधिष्ठिर के जीवन में फिर भी एक घटना ऐसी घटी कि उन्हें भी परोक्ष रूप से झूठ का सहारा लेना पड़ा, जब उन्होंने यह जानते हुए भी द्रोण पुत्र अश्वत्थामा जीवित है और अश्वत्थामा नामक हाथी ही मरा है, यह अच्छी तरह से जानते हुए भी झूठ बोल दिया कि 'पता नहीं हाथी मरा है या मनुष्य, पर अश्वत्थामा मारा गया है।' इसी कथन पर द्रोण ने हथियार फेंक दिए और द्रुपद धृष्टद्युम्न के हाथों मृत्यु का वरण किया। पर द्रोपदी पर तो आप ऐसे किसी छोटे से अधमर्माचरण का भी आरोप नहीं लगा सकते।

एक दो उदाहरणों की परीक्षा ली जाए। अपने स्वयंवर में द्रौपदी ने कर्ण को मछली की आँख पर बाण का निशाना लगाने से रोक कर ठीक किया या गलत? बेशक कर्ण को मौका नहीं दिया गया और कह सकते हैं उससे अन्याय हुआ। पर हमें नहीं भूना चाहिए कि छत पर लटकती, झूलती उस यन्त्र मछली की आँख फोड़ने की शर्त बेशक पिता द्रुपद ने रखी थी, पर विवाह तो द्रौपदी का होना था। स्वयंवर तो द्रौपदी रच रही थी। अपना वर तो स्वयं द्रौपदी को चुनना था। चाहे कारण तब की सामाजिक प्रथाएँ रही हों या कोई और, स्वयं वर चुनने का अधिकार-प्राप्त द्रौपदी को हक था कि वह अपनी शर्त पूरा करने का मौका किसे दे और किसे न दे। कर्ण को दोटूक शब्दों में मना करने वाली द्रौपदी पर आज तक इतिहास आरोप नहीं लगा पाया कि उसने वैसा कर कोई गलत काम किया।

पर पुरुष प्रधान इतिहासकारों की जमात के पास पूरा मौका द्रौपदी पर आरोप लगाने का था कि वह पाँच पुरुषों की पत्नी है और इसलिए दुश्चरित्र है। पर क्या इतिहास द्रौपदी पर ऐसा कोई छोटा आरोप लगाने का दुस्साहस कर सका? बल्कि यहाँ तो माजरा ही अलग है। द्रौपदी का पाँचों पाण्डवों से

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

युद्ध का परिणाम सुखद नहीं होता

ईरान-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध को समेटने के लिये दुनिया के बड़े देश दो हिस्सों में टोली बन चुके हैं और हर अपना फायदा देखते हुए सुझाव या धमकी दे रहे हैं। अमेरिका और रूस तो पहले से दो बड़ी शक्तियों के रूप में हैं। इसके अलावा फ्रांस, ब्रिटेन, उत्तरी कोरिया, चीन भी अपनी दुनियादारी के साथ इस लड़ाई में बिचौलिया होने जा रहे हैं। भारत अपने नये-पुराने रिश्तों के साथ रणनीति तय कर रहा है। इसके अलावा हर छोटा-बड़ा देश अपने बचाव और भविष्य के नफा-नुकसान का हिसाब लगा रहा है।

बहुत सीधी सी बात है कि दुनिया में जितने भी युद्ध हुए उनका परिणाम मारकाट और हर प्रकार से हानि के रूप में देखा गया है। महाभारत से ही सीख लेनी चाहिये कि जीत कर भी पाण्डव अकेले हो चुके थे। उस दौर के सारे महाबली युद्ध भूमि में अपनी निपुणता दिखाने उतरे और एक-दूसरे को मारने के अलावा उनके पास कोई रास्ता नहीं था। इतिहास की पुरानी बातों को कथा-कहानी के रूप में सबने सुना है। इसके बाद विश्व युद्धों का परिणाम भी दुनिया ने भोगा है। दो भागों में बंटते हुए दुनिया के देश जिस तरह से जले उसने तबाही मचाई। जापान के हीरोशीमा-नाकाशाकी पर हुए हमले का असर वर्षों तक रहा। नादिरशाह से लेकर तमाम आतंकियों का आतंक मानवता के लिये घातक ही रहा है।

युद्धों की परणीति कभी सुखद नहीं होती, यह जानते हुए भी दुनिया के देश परमाणु हथियारों को जमा करना चाहते हैं। इसे वह अपने सुरक्षा कवच के रूप में देख रहे हैं। और अमेरिका जैसी बड़ी शक्ति यह मान लेती है कि दुनिया उसके इशारों पर चले, वह जिस ओर चाहे अपनी दादागिरी दिखाए। ऊपर से ऐसे देशों के पगलाए हुए प्रमुख दुनिया में सुख-शान्ति के बजाए अपना शक्ति प्रदर्शन करना चाहते हैं। ईरान और इजराइल के बीच जिस प्रकार से मिसाइलों का वार एक-दूसरे को तबाह कर चुका है, वह इनके मुखियाओं और इनके पीछे मुखौटा लगाए प्रमुखों के कारण है। आम जनता दुनिया के किसी भी हिस्से में यह सब नहीं चाहती है। युद्ध के हालातों में बच्चे बूढ़े सब आँसू बहा रहे हैं। ईश्वर दुनिया के बेअक्लों को समझ दे।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

इजराइल-ईरान संघर्ष में भारी नुकसान

दुबई। इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष में दोनों देशों में भारी नुकसान हुआ है। मिसाइलों के हमले में इजराइल भारी दिखाई दे रहा है लेकिन जिस प्रकार का नुकसान हुआ है उससे दुनियाभर में कामना की जा रही है युद्ध विराम हो और दुनिया अमन का रुख करे।

ट्रम्प के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

फिलाडेल्फिया, अमेरिका। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विरोध में पूरे अमेरिका में प्रदर्शनकारी सड़कों, पार्कों और चौकी पर एकत्र हुए। उन्होंने शहरों व कस्बों में मार्च निकाला तथा लोकतन्त्र व अप्रवासी अधिकारों की रक्षा को समर्थन के साथ सत्ता-विरोधी नारे लगाए।

ईरान के साथ पाकिस्तान एकजुटता से खड़ा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात कर एकजुटता व्यक्त की और इजराइल के हमले को स्पष्ट तौर पर उकसावे का कृत्य बताया। शरीफ ने ईरान के खिलाफ इजराइल के हमलों की कड़ी निन्दा की, पाकिस्तान ईरान के साथ एकजुटता से खड़ा है।

हैदराबाद से अबाबा तक सीधी उड़ान

हैदराबाद। हैदराबाद के राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्रबन्धन करने वाले जीएमआर समूह ने हैदराबाद से इथियोपिया के अदीस अबाब के लिए नयी सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की घोषणा की। एक उत्सव के बाद उद्घाटन उड़ान समारोह भी मनाया गया।

फ्रांस के साथ 'शक्ति' अभ्यास में हिस्सा

नई दिल्ली। भारतीय सेना की एक टुकड़ी द्विवार्षिक भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शक्ति' में हिस्सा लेने के लिये फ्रांस पहुंची। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस अभ्याय का आठवां संस्करण है जो फ्रांस के ला कैवेलरी के कैंप लार जैक में एक जुलाई तक चलेगा।

सुशील शुक्ल को बालसाहित्य पुरस्कार

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने साल 2025 के लिये हिन्दी में सुशील शुक्ल को बाल साहित्य पुरस्कार तथा पार्वती तिर्की को युवा पुरस्कार देने की घोषणा की। सभी 24 भाषाओं में बाल साहित्य पुरस्कार और 23 भाषाओं में युवा पुरस्कार देने के लिये रचनाकारों का चयन किया गया।

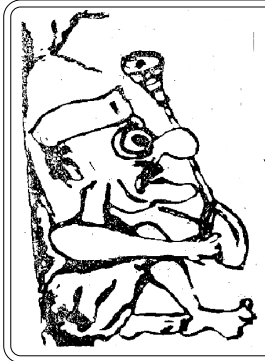

फसक

दाज्यू, चुनाव को लेकर पुलर-पुलर होने वाली ठैरी

पार्टी टिकट के लिये सारे बिल खोदे जा रहे हैं बल

दाज्यू, पंचायत चुनाव को लेकर नेतागण तरावट में हैं। कौन बनेगा ब्लाक प्रमुख, क्षेत्र प्रमुख, जिला पंचायत का प्रतिनिधि प्रधान.....सब जोड़ चल रहा है। दाज्यू, जमाना भी क्या आ गया है फूल मालाओं से लदकर फेसबुक में आहट देनी होती है। वैसे भी चुनाव को लेकर पुलर-पुलर होनी वाली ठैरी। क्या पता गाँव वालों का मूड इस बार कैसा हो।

अपना भिक्कू क्षेत्र पंचायत सदस्य बनने के लिये उतावला हो रहा है। कह रहा था- 'पार्टी टिकट मिल के बाद लोगों का आशीर्वाद मिल जाए तो जीत पक्की है।' दाज्यू, पार्टी टिकट के लिये पहले ही सारे बिल खोदे जा चुके हैं बल। आप जानने ही वाले हुए पार्टी टिकट मिलना भी कितना कठिन काम हो गया है। चूहे की तरह कतरते हुए जो रास्ता बना ले वह आसानी से टिकट पा जाने वाला ठैरा। भिक्कू का भगवान ही मालिक है। बात बात पर आन्दोलन की बात करने लगता है। भ्रष्टाचार मिटाने की कसम खाकर कितने बार धरना कर चुका है।

दाज्यू, कलजुग की नेतागर्दी का नमून बनना हर किसी के बस की बात नहीं है। हरिद्वार के ज्वालापुर सीट से भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौड़ को अपनी दूसरी पत्नी उर्मिला सावरकर को स्वीकारना पड़ा है। दोनों के रिश्तों के बीच लम्बे समय से खटास चल रही थी। दाज्यू, हम कह रहे हैं राजी-खुशी दुनिया चलती रहे बस। शिकार-हवस-बदहवास-शिकारी बहुत हैं इस दुनिया में। हवस का भूखा प्रोफेसर रिटायरमेंट के करीब खड़ा है लेकिन इत्र छिड़क कर गलियों में घूमता रहता है बल। कह रहा है, रिटायमेंट के बाद चुनाव लड़ने का मन है। दाज्यू, चुनाव लड़ना भी बहुत बड़ी हवस ठैरी। जब समाज समझ न आये और न समझा गया हो, तो भी चुनाव के लिये जोर मारना बड़ी बात हुई।

दाज्यू, हाईकोर्ट ने बागेश्वर जिले की तहसील काण्डा के कई गाँवों में खड़िया खनन से आई दरारों के मामले में स्वत: संज्ञान लेकर पंजीकृत जनहित याचिकाओं पर सुनवाई जारी रखी है। यह भी कह दिया है कि खड़िया खदानों की सामग्री की नीलामी होगी। दाज्यू, मामला खनन का है तो कई फड़फड़ा रहे हैं। आगे पता नहीं क्या होने वाला है। शिक्षा मंत्री धनसिंह रावत कह रहे हैं कि देवभूमि उद्यमिता योजना से युवाओं के सपनों में रंग भर रहा है। इस योजना से प्रदेश में 965 विद्यार्थियों ने उद्यम स्थापित कर लिये हैं। दाज्यू, हमारी कुछ समझ नहीं आ रहा है क्योंकि छोटे लाल नशेड़ी के रूप में चर्चित है और प्रो. बुलरुवा कई काण्डों के बाद भी सुन्दर काण्ड करने की बात कर रहा है। योजनाओं का प्रसाद पचाने में बुलरुवा नम्बर एक में गिना जाता है बल।

काशीपुर में कांग्रेस आईटी प्रकोष्ट के प्रदेश सचिव व कुमाऊं संयोजक रवि पपनै को नकाबपोशों ने बेल्टों से पीटा। इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में भी वायरल किया। दाज्यू, कलजुग में खुला खेल शुरू हो चुका है। इजराइल ईरान को देख लो.....। जिसको जब मन हो, फतोड़ा-फतोड़। गंगोलीहाट में नाबालिग छात्रा का शोषण करने वाले शिक्षक को जेल हो गई। इधर हल्द्वानी में बड़े वाले होटल के जीएम ने इवेंट मैनेजर से दुष्कर्म कर दिया बल। युवती का कहना है- 'जीएम ने इवेंट का झांसा देकर बुलाया और जबरन कमरे में घुसकर दुष्कर्म किया।' रुद्रपुर के थाना ट्रांजिट कैम्प इलाके में एक किशोरी के साथ अश्लील हरकत करने के आरोपी पूर्व बैंक मैनेजर और महिला सहयोगी को पुलिस ने पकड़ा है। दाज्यू, अब तो जंगली जानवरों से कम, शहरी शूटिंग-शाटिंग से डर लगने लगा है। शारदा टाकिज में 'बंटी-बबली' और 'मोनू-सोनू' फिल्म का धमाल मचा है बल। सुरताल सिंह बता रहा था- 'जबर्दस्त रौल किया गया है। बबली मनगड़न्त बातें करते हुए और बंटी शाहरुख खान की नकल कर रहा है।' दाज्यू, फिल्म का धमाल जरूरी है इससे देखने वालों का मनोरंजन होता है। -तुम्हारा भुली झकरुवा

मानसून में.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

आदिचौरा-हुनेरा सड़क में मलबा गिरने से बहुत परेशानी बनी हुई है। बांसबगड़-माणीघामी सड़क में भी यही हाल है।

पहाड़ों पर हुई भारी बारिश से पूर्णागिरी में श्रद्धालुओं को दिक्कत हुई है। बाटनागाड़ में भारी मलबे के कारण आवागमन में पहले भी यात्री फंस गये थे जिन्हें पुलिस ने सकुशल निकाल लिया। मेला समाप्त हो चुका है लेकिन आने वाले यात्रियों का क्रम जारी है। ऐसे में उन्हें प्रशासन ने सभी से सावधानी बरतने को कहा है। ठूलीगाड़ में भी मलबा आने से आवागमन में रोड़ा है। मौसम और स्थिति देखते हुए किरौड़ा और बूम पर बैरियर लगाए गए हैं ताकि श्रद्धालु और यात्री सुरक्षित रहें। बताते चलें कि पूर्णागिरी मार्ग पर विगत दिवस मलबे की चपेट में शारदा कालोनी निवासी दुकानदार चन्द्रपाल प्रजापति की मौत हो चुकी है।

लग चुके जुलाई के माह में अलर्ट रहने की जरूरत है हालाँकि पंचायत चुनाव की दौड़भाग मची हुई है।

पंचायत चुनाव

कांग्रेस की रणनीति और ठोकी ताल

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कांग्रेस की रणनीति तय है कि जो जीतेगा उसे अपनाएंगे लेकिन पार्टी की ओर से ताल ठोकने वालों के चेहरे उजागर हैं। ऐसे में पार्टी संगठन पूरी ताकत से अपने नेताओं की जीत के लिये जुटा है।

नैनीताल जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल का कहना है कि यह चुनाव 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों का सेमी फाइनल होगा। भाजपा से जनता त्रस्त है। ऐसे में इस अवसर को पार्टी चाहती है। पूर्व विधायक सतीत नैनवाल का कहना है कि जिला पंचायत, ब्लाक और ग्राम पंचायत में कांग्रेस के प्रत्याशियों की जीत तय है। रामनगर में रणजीत सिंह रावत की अध्यक्षता में बैठक हुई।

भाजपा पर्यवेक्षक और प्रबन्धन

चुनाव के लिये भारतीय जनता पार्टी के पर्यवेक्षक चुनाव प्रबन्धन का कार्य भी कर रहे हैं। पार्टी के प्रत्याशियों का नाम तय करने से लेकर चुनाव में सफलता तक का मंत्र इन्हें बैठक में दिया गया है। पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को पंचायत चुनाव की जिम्मेदारी दी गई है और देखा जा रहा है कि वह अपने क्षेत्र में पार्टी के प्रति कितना प्रभावशाली होते हैं। सत्ता पक्ष होने के कारण भाजपा की ओर से चुनाव लड़ने वालों की पहले ही चौल हो रही है। संगठन प्रमुख मान रहे हैं कि पंचायत चुनाव को वह पूरी तरह अपने पक्ष में कर लेंगे।

निर्दलीय के रूप में रणनीति

चुनाव के लिये निर्दलीय के रूप में कारगर रणनीति बनाने वाले आगे दिखाई दे रहे हैं। चूंकि पंचायत चुनाव में स्थानीय मुद्दों के साथ दबदबा और व्यवहार देखा जाता है ऐसे में अपने इलाके का हवाला देते हुए प्रत्याशी प्रचार में जुटे हैं। अपने कार्यों को गिनाते हुए इन्हें भरोसा है कि जनता इनके पक्ष में होगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मुद्दा बना है

उत्तराखण्ड की डेमोग्राफी बदल रहे हैं उठे सवाल

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

देवभूमि उत्तराखंड हाल के दिनों में मदरसों और मज़ारों को लेकर चर्चा में हैं राज्य में मौजूद मदरसों की जाँच के आदेश ने एक बार फिर मुद्दा गरमा दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के मदरसों के जाँच के आदेश दिए हैं। पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में राज्य में संचालित सभी मदरसों की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। इस जाँच अभियान का मुख्य उद्देश्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना। साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि सभी मदरसे कानूनी ढांचे के भीतर कार्य कर रहे हैं या नहीं। हाल के वर्षों में पर्वतीय राज्य उत्तराखण्ड में हुए जनसांख्यिकीय बदलाव के बाद यहाँ के पर्यटन कारोबार में भी समुदाय विशेष की तेजी से घुसपैठ हुई है। इसका असर गढ़वाल के साथ ही कुमाऊँ मण्डल के नैनीताल, भीमताल, रामनगर, बागेश्वर, जागेश्वर, रानीखेत व कौसानी में भी देखा जा सकता है। इन लोगों ने स्थानीय कारोबारियों से ऊँची कीमत पर होटल व लाज लीज पर लेकर संचालन शुरू कर दिया है। कुछ साल पहले तक स्थानीय लोगों द्वारा संचालित अधिकतर रेस्तरां भी अब इन्हीं के पास हैं। इनके कुछ संचालक तो संदिग्ध भी हैं।

बीते पाँच सालों के इंटेलिजेंस इनपुट को देखें तो इनमें कुछ ऐसे भी लोग उभरे हैं जिनकी मजबूत आर्थिक पृष्ठभूमि नहीं रही है। लेकिन जब बात होटल को लीज पर लेने की आई तो उन्होंने सर्वाधिक बोली लगाई। सुरक्षा एजेंसियां इस बदलाव को सामान्य नहीं मान रही। इनमें बड़े पैमाने पर बाहरी फंडिंग की भी बात सामने आ रही है। इसमें उत्तर प्रदेश के रामपुर, मुरादाबाद, स्वार, सहारनपुर, बिजनौर, बरेली, अलीगढ़, नेपाल से सटे जिले महाराजगंज, बिहार के पश्चिमी चम्पारण, रक्सौल और पाँच व्यद्रि नेपाल के भी चिन्हित किए गए हैं। पर्यटन कारोबार में समुदाय विशेष के घुसपैठ का असर बड़ा व्यापक है। यहाँ के होटलों में पहले वेटर, कुक व सफाईकर्मी स्थानीय लोग थे। लेकिन होटल लीज पर लेते ही स्थानीय लोगों को हटाकर ये काम समुदाय विशेष के बाहरी युवाओं को सौंप दिया गया। हालांकि नाम स्थानीय ही रखे हैं, जिससे किसी को शक न हो और कारोबार चलता रहे। टूर एण्ड ट्रेवल्स के कारोबार में भी इन्होंने बड़ा नेटवर्क तैयार किया। हल्द्वानी से लेकर चीन सीमा से सटे पिथौरागढ़ तक इनके कार्यालय खुले हैं। लग्जरी गाडियों की रेंज भी बेहतर है। इस कारण स्थानीय लोग टूर एण्ड ट्रेवल्स कारोबार से धीरे-धीरे करीब बाहर होते गए। आज स्थिति ये है कि नैनीताल जिले में अधिकतर टैक्सियां इन्हीं की चल रही हैं। रानीखेत, कौसानी का भी यही हाल है।

डीआईजी कुमाऊँ ने कहा कि शासन के निर्देश पर पूरे कुमाऊँ में सत्यापन शुरू किया गया है। इसमें हम पर्यटन कारोबार के इस बदलाव को भी शामिल करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई भी सुनिश्चित करेंगे। भारत के संकल्प को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया है, जिसका प्रभाव हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। उनके नेतृत्व में उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्यों में विकास कार्यों ने गति पकड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड आज विश्व के आकर्षण का केन्द्र बनता जा रहा है। राज्य में कम्र ऐसे डेस्टिनेशन हैं, जहाँ देश-विदेश से पर्यटक आना चाहते हैं। आने वाले समय के लिए राज्य सरकार पूरी तरह तैयार है और सभी विकास कार्य नियोजित रूप से आगे बढ़ाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की बैठक में पर्वतीय राज्यों के लिए अलग योजनाएं एवं मानक तैयार करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि राज्य की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नीति निर्धारण होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार फ्लोटिंग पॉपुलेशन को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को आकार दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इकोलॉजी और इकोनॉमी के बीच सन्तुलन बनाकर विकास को गति दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का निरन्तर प्रयास है कि आपदाओं के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने अतिक्रमण के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए देवभूमि की डेमोग्राफी को संरक्षित रखने के लिए संकल्प लिया है। देवभूमि के मूल स्वरूप से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड के अनुसार 2003 में इसके पास करीब 2100 सम्पत्तियां थीं, जो अब बढ़कर 5000 से अधिक हो गई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1891 सम्पत्तियां हरिद्वार में हैं, जिसे तीर्थनगरी माना जाता है। वहाँ 322 मस्जिदें, 58 दरगाह, 25 मदरसे और 386 कब्रिस्तान हैं। देहरादून में 1680, उधमसिंहनगर में 885, और नैनीताल में 407 वक्फ सम्पत्तियां हैं। पूरे राज्य में 800 से ज्यादा मदरसे संचालित हो रहे हैं लेकिन इनमें से केवल 416 ही पंजीकृत हैं। अपंजीकृत मदरसों में अवैध गतिविधियों और बच्चों के शोषण के आरोप लगाए जा रहे हैं. जनजातीय क्षेत्र में इस तरह बाहरी लोगों की घुसपैठ उसमें भी एक ही समुदाय के लोगों का यहाँ बसना और फिर जमीनें इनके नाम हो जाना चिन्ताजनक बन चुका है। सरकार को इस और ध्यान देना चाहिए ताकि जनजातीय क्षेत्र को घुसपैठियों से बचाया जा सके। इसके अलावा उत्तराखण्ड में डेमोग्राफी चेंज का मुद्दा चर्चा का विषय बना रहता है।

ज्योतिष की बातें- 235

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। चन्द्रमा सिंह, कन्या, तुला व वृश्चिक राशि में क्रमशः गोचर करेगा तथा अन्य सभी ग्रह यथावत् गोचर करते रहेंगे।

6 जुलाई 2025 को गुरु पूर्व दिशा में मिथुन राशि में उदय हो जाएगा अतः पिछले 25 दिनों से गुरु अस्त होने के कारण जो शुभ कार्य स्थगित थे, उनमें से कुछ कार्य अब प्रारम्भ हो जाएंगे।

देवशयनी एकादशी- आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी उदयव्यापिनी तिथि तदनुसार रविवार 6 जुलाग्र 2025 को देवशयनी एकादशी का व्रत रहेगा। इसी दिन से चातुर्मास सम्बन्धी व्रत-नियम आदि भी प्रारम्भ हो जाएंगे। जो लोग केवल शुक्लपक्ष की एकादशी का व्रत रखते हैं उन्हें इस चातुर्मास में कृष्णपक्ष की भी एकादशी का व्रत रखना चाहिए। इन चार महीनों में विवाह आदि कुछ संस्कार तथा गृह प्रवेश आदि कुछ शुभकार्य भी स्थगित रहेंगे।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 125

आपदा पर्यटन

आजकल कोई भी प्राकृतिक आपदा आती है या कोई भयंकर दुर्घटना होती है तो लोग उस तरफ टूट पड़ते हैं, बचाव के लिए नहीं बल्कि वीडियो बनाने के लिए। बड़ी दुर्घटना होने पर पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ के बड़े-बड़े नेता दुर्घटना स्थल पर जाना शुरू कर देते हैं। वे वहाँ पहुँचकर तरह-तरह के पोज देकर फोटो खिंचवाते हैं, वीडियो बनवाते हैं, रील बनाते हैं। फिर सोशल मीडिया में प्रसारित करते हैं, बड़े-बड़े फोटो अखबार में आते हैं। तुरन्त ही सहायता राशि घोषित कर दी जाती है लेकिन उन बड़े लोगों की हृदय में मृत अथवा घायल लोगों के प्रति थोड़ी भी सम्वेदना नहीं होती है। बड़े नेताओं की सुरक्षा में प्रशासनिक अधिकारियों को लगना पड़ता है अतः जिनका कार्य घायलों को बचाने आदि का होता है वे सब अति विशिष्ट लोगों की सुरक्षा में लग जाते हैं। इस प्रकार बचाव कार्य भी प्रभावित होता है।

सारे चैनलों के पत्रकार भी समाचार तैयार करने के लिए घटनास्थल पर टूट पड़ते हैं यदि कोई भाग्यवश जीवित बच जाता है, उसको तो देखने के लिए सभी नेता जाते हैं और पत्रकार लोग तो उस बेचारे जीवित बच गए घायल व्यक्ति से तरह-तरह के ऊटपटांग प्रश्न पूछकर उसकी नाक में दम कर देते हैं। उस घायल के प्रति सम्वाददाताओं के मन में भी कोई सम्वेदना नहीं होती है, केवल चैनल की टीआरपी बढ़ाने का ही लक्ष्य होता है।

यह अपने देश में एक नए प्रकार का ही 'आपदा पर्यटन' प्रारम्भ हुआ है जोकि मानवता का नहीं बल्कि क्रूरता का ही परिचायक है। मेरे विचार से दुर्घटना स्थल पर स्थानीय प्रशासन को स्वयं ही ठीक से काम करने देना चाहिए, अति विशिष्ट लोगों को वहाँ पर नहीं जाना चाहिए। केवल स्थानीय नेताओं को ही वहाँ पर जाने की अनुमति होनी चाहिए।

-ओंकार नाथ कोष्टा

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिये प्रत्याशियों का धमाल शुरू

आदर्श आचार संहिता और कड़ी निगरानी

उत्तराखण्ड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिये प्रत्याशियों का धमाल शुरू हो चुका है। दो चरणों में होने वाले चुनाव के लिये मैदान में उतरे प्रत्याशी घर-घर जाकर प्रचार कर रहे हैं। चुनाव में भाजपा कांग्रेस की ओर से अपना गढ़ मजबूत करने की तैयारी हो रही है। पहले चरण में दस जुलाई और दूसरे चरण में 15 जुलाई को मतदान होगा।

25 जून से नामांकन प्रक्रिया के बाद गाँव की सरकार बनाने के लिये जबर्दस्त हलचल है। प्रधान से लेकर जिला पंचायत तक चुनाव जीत का गणित लगा चुके स्थानीय नेता अपने इलाकों में सक्रिय हैं। क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत के लिये असरदार नेताओं की चौल देखी जा रही है। आदर्शन आचार संहिता और कड़ी निगरानी के बावजूद धनबल का जोर दिखाई दे रहा है। राज्य निर्वाचन आयोजन द्वारा पंचायतों के निर्वाचन के लिये हरिद्वार को छोड़ 12 जनपदों में आदर्श आचार संहिता लागू की गई है। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने कहा कि आचार संहिता के अनुपालन पर निरन्तर नजर रहेगी और व्यय पर भी निगरानी होगी। इसके लिये 55 सामान्य प्रेक्षकों की तैनाती की जा रही है। चुनाव में 95909 कार्मिक तैनात होंगे। जिसमें से 35700 कर्मी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात होंगे।

चुनाव के लिये प्रशासन की अपनी तैयारी है लेकिन चुनाव मैदान में कूद पड़े स्थानीय बलशाली नेताओं ने अपनी प्रतिष्ठा के लिये विधायक, सांसद, मंत्री व पार्टी के वरिष्ठ नेताओं तक को अपने प्रचार के लिये जोत रखा है। ऐसे में पूरा चुनाव पार्टियों की ओर से विजेताओं की गिनती का ध्यान रखेगा क्योंकि इसके बाद 2027 का चुनाव होना है।

पुस्तक समीक्षा

फौजी का कविता संग्रह 'हम पहाड़ी'

पि.हि.प्रतिनिधि

तड़ीगाँव (टुकनेव), थल के भानी चन्द सिंह देऊपा का कविता संग्रह 'हम पहाड़ी' एकदम सच्चे मन फौजी की कलमकारी है। हिमाल प्रिन्टर्स के प्रकाशन से यह संग्रह सूबेदार (आनरेरी सूबेदार मेजर से नि.) के ग्रामीण जीवन और 28 साल की सैन्य सेवा के अनुभवों का लेखा कहा जा सकता है। चूंकि देऊपा जी शुरु से ही ग्राम प्रधान के अलावा सामाजिक कार्यों में संलग्न रहे हैं और उनके मन में समाज को लेकर आने वाले विचारों को वह गुंथते रहे हैं। इससे यह भी सिद्ध होता है कि वह ग्रामीण परिवेश में युवाओं को रचना संसार और पठन-पाठन की ओर जोड़ने में प्रयासरत हैं।

'हम पहाड़ी' कहानी संग्रह में उन्होंने बहुत ही बेवाक लिख डाला है- 'मैं न तो कवि हूँ और न साहित्यकार। एक पूर्व सैनिक हूँ। बोलचाल वाली हिन्दी में अपने 81 साल के जीवनकाल में अब जो अनुभव हुआ उसी आधार पर आत्म जागरूकता से उपजे दिल की सोच को शब्दों में लिखकर साझा कर रहा हूँ।' संग्रह में पूजा के मंत्र, पुजारी बन, सत्यनारायण कथा, मैं तेरे तन में, ब्रह्माण्ड का बीजरूप शरीर, सत्कर्म ही निशानी, प्रकृति प्रेम, उचित अनुचित की दुविधा जैसे शीर्षकों में कविता रची है।

देऊपा जी ने 'प्रतिज्ञा कुदरत से' कविता में लिखा है- 'हर जीव में प्राण मानू जैसा प्राण मुझमें है, कानून बने जो कुदरत के पालन सबका करना है।'

इसी प्रकार की सीधी-सपाट रचनाओं के द्वारा वह उन लोगों का ध्यान भी कविता-पाठ की दुनिया में मोड़ना चाहते हैं जो फूहड़ता में घिरते जा रहे हैं। मोह भंग आडम्बरों से, देता धन्यवाद रचियता, विचार कुछ सुधार संस्कारों में, सही पूजा विधि विकल्प, मीडिया व सरकार से निवेदन, विनती धरा की रचनाकार से, भूल जा आतंक इत्यादि शीर्षकों से भी भानी चन्द जी ने रचनाएं इस संग्रह में लिखी हैं। इनके प्रयास इनके अनुभव का लाभ हो ऐसी कामनाओं के साथ।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

विष्णु मंदिर वाली सड़क खस्ताहाल

गंगोलीहाट। भराड़ी-कण्डारीछीना सड़क से विष्णु मन्दिर को जोड़ने वाली सड़क खस्ताहाल हो चुकी है। सड़क में गड्ढों की भरमार से परेशानी हो रही है। सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश चन्द्र जोशी कहते हैं कि ग्रामीणों के श्रमदान से यह बनी यह सड़क 5 साल बाद भी किसी विभाग को हस्तान्तरित नहीं की गई है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से इस ओर ध्यान देने की मांग की है।

किसानों के कर्जे माफ करने की मांग

रामनगर। किसान संघर्ष समिति द्वारा ग्राम वीरपुर लच्छी में किसान पंचायत का आयोजन कर किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी देने, किसानों के सभी कर्ज माफ करने, कृषि इनपुट खाद, बीज, उपकरणों के दाम कम करने तथा तराई बीज विकास निगम की नीलामी रद्द करने की मांग की गई।

होकरा सड़क बदहाल

मुनस्यारी। मसूरीकांठा से जिजले के अन्तिम गाँव नामिक तक जाने वाली सड़क दस किमी बदहाल है। पीएमजीएसवाई की 27 किमी स्वीकृत सड़क 12 वर्ष पूर्व बन चुकी थी, जो होकरा से नामिक तक 17 किमी निर्माणाधीन है। बदहाल सड़क के कारण प्रसिद्ध नामिक ग्लेशियर के लिये ट्रेकरों का मन भी खराब होता है। क्षेत्रवासी तो पहले से परेशान हैं ही।

मंगल पड़ाव में बनेगा बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स

हल्द्वानी। मंगल पड़ाव क्षेत्र में प्रस्तावित बहुमंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निम्राण के लिये प्राधिकरण को अनापत्ति प्रमाण पत्र दे दिया गया है। इसके साथ ही प्राधि करण की ओर से लगभग 52 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार होने के बाद निर्माण की उम्मीद है। इसमें सड़क चौड़ीकरण की जद में आई दुकानें भी शिफ्ट होंगी। 7 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले कॉम्प्लेक्स में 50 दुकानें होंगी। साथ ही पार्किंग की व्यापक व्यवस्था होगी।

कुविवि का शैक्षणिक कैलेंडर

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय ने अपना शैक्षणिक कैलेंडर घोषित कर दिया है जिसके अनुसार छात्रसंघ चुनाव सितम्बर में होंगे। कुलसचिव डॉ. मंगल सिंह मंद्रवाल ने ने कहा कि कुलपति प्रो. डी.एस.रावत की स्वीकृति के अनुपालन में विवि के परिसरों व सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा परिणाम, छात्रसंघ चुनाव व दीक्षान्त समारोह के लिए शैक्षणिक कैलेंडर जारी किया गया है। इसके अनुसार 2025 में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे। इसके बाद 12 अगस्त को पीएचडी कार्यक्रमों के लिये सामान्य विवि प्रवेश परीक्षा होगी। 21 जनवरी से सम सेमेस्टर की पढ़ाई शुरू होगी।

नगर पालिका टनकपुर क्या अब भी सबकुछ सामान्य हो पाएगा?

टनकपुर। नगर पालिका टनकपुर में जिस प्रकार से पालिका अध्यक्ष व ईओ के बीच सम्बन्धों को लेकर इस सत्र में शुरू से ही चर्चा हो रही है और सभासदों व कर्मचारियों द्वारा खोले गये मोर्चा के बाद सीएम कैम्प कार्यालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है। उससे यह सवाल अभी भी उठ रहा है कि क्या पालिका में सबकुछ सामान्य हो पाएगा? नगर पालिका चुनाव के बाद विपिन कुमार के पुन: चैयरमैन बनते हुए शहरवासियों को बहुत उम्मीद थी लेकिन राजनीति के समीकरण और समझ-बूझ के अपने तरीकों में पालिका बोर्ड लिपट कर रह गया। बीते दिवस चैयरमैन विपिन कुमार और ईओ भूपेन्द्र प्रकाश जोशी की उपस्थिति में आन्दोलनकारी सभासदों ने पालिका कार्यालय में तालाबन्दी का निर्णय वापस लिया और कहा कि पालिका बोर्ड को विकास कार्यों की ओर ध्यान देना चाहिये।

बताते चलें कि नगर पालिका चुनाव के बाद से किसी भी प्रकार का विकास कार्य ठप्प है और कर्मचारी व सभासद मांगों को लेकर गरजते रहे हैं।

किसान महासभा बिन्दुखत्ता पर गरजी

हल्द्वानी/लालकुआ। बिन्दुखत्ता को अति शीघ्र राजस्व गाँव बनाने की अधिसूचना जारी करने व आवारा गोवंश की समस्या के स्थायी समाधान समेत अन्य मांगों को लेकर किसान महासभा ने शहीद स्मारक पर धरना दिया और सीएम को सम्बोधित ज्ञापन रजिस्ट्रार कानूनगो को दिया गया।

इस दौरान हुई जनसभा में भापका माले के प्रदेश सचिव इन्देश मैखुरी ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों को उजाड़ने वाली सरकार है। बिना जनसंघर्ष के यह राजस्व गाँव बनाने वाली नहीं है। बिन्दुखत्ता को राजस्व गाँव की घोषणा करने के बावजूद अभी तक राजस्व गाँव की अधि सूचना जारी नहीं की जा रही है। माले के जिला सचिव कैलाश पाण्डे ने कहा कि बिन्दुखत्ता की जनता ने बसासत से लेकर हर विकास कार्य अपने संघर्ष के बल पर ही हासिल किया है। राजस्व गाँव भी जन संघर्ष के बलबूते ही हासिल होगा। यह सरकार जनता की एकता से ही डरती है। किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनन्द सिंह नेगी, बहादुर सिंह जंगी, चन्दन राम, राजेन्द्र सिंह बोरा, गोविन्द जीना, प्रभात पाल, ललित मटियाली, धीरज कुमार, किशन बघरी आदि मौजूद थे।

5दिवसीय देवीधार महोत्सव की तैयारी

लोहाघाट। नगर के पास देवीधार की पहाड़ी में स्थित माँ भगवती मन्दिर में आयोजित होने वाले देवी महोत्सव देवीधार मेले की तैयारियां जारी हैं। मेले की तैयारियों को लेकर आयोजन समिति की बैठक में समस्त कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई और रूपरेखा तय की गई।

मेला समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह मेहता की अध्यक्षता में हुई बेठक में आयोजन समिति ने आगामी 6 जुलाई से शुरू होने वाले 5 दिवसीय देवीधार महोत्सव को रजत जयन्ती महोत्सव के रूप में मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। महोत्सव को आकर्षक बनाने के लिये कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्थनीय परम्पराओं के प्रदर्शन और अन्य गतिविधियों की योजना पर चर्चा की गई।

महोत्सव के आयोजन को लेकर समिति ने मेला स्थल को सजावट, सुरक्षा व्यवस्था और अतिथि स्वागत आदि कार्यों के लिये युवाओं को जिम्मेदारी सौंपी। अध्यक्ष जीवन मेहता ने क्षेत्र के सभी ग्रामीणों से इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने की अपील की।

नगीना कॉलोनी वासियों का प्रदर्शन

लालकुआ/हल्द्वानी। दो वर्ष पूर्व जिल प्रशासन एवं रेलवे द्वारा उजाड़े गए नगीना कॉलोनी वासियों ने तहसील में जबर्दस्त प्रदर्शन किया। सो से अधिक परिवारों ने उत्तराखण्ड बेरोजगार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश उत्तराखण्डी के नेतृत्व में तहसील प्रांगण में धरना प्रदर्शन करते हुए पुनर्वास की मांग की। साथ ही क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

धरना प्रदर्शन के दौरान विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए प्रकाश उत्तराखण्डी ने कहा कि वर्ष्ज्ञ 2023 में रेल प्रशासन और जिला प्रशासन ने लालकुआ की नगीना कॉलोनी क्ष्ज्ञेत्र में निवास करने वाले सैकड़ों परिवारों को उजाड़ दिया था। इस दौरान जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा उक्त कॉलोनी से उजाड़े गये लोगों को पुनर्वास का आश्वासन दिया था परन्तु दो वर्ष बीतने के बाद भी उक्त परिवारों के सामने संकट है। पुनर्वास की मांग पूरी होने तक आन्दोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों में राम बहादुर, कुन्दन सिंह, गोपाल बसु व साथी थे।

राजजात यात्रा मार्ग पर ट्रेकिंग सिस्टम

देहरादून। नन्दादेवी राजजात यात्रा की तैयारियों को लेकर सीएम पुष्कर धामी ने समीक्षा की। वर्चुअल बैठक में सीएम ने राजजात यात्रा में पूरे यात्रा मार्ग पर डिजिटल ट्रेकिंग सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिये। यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से हेल्प लाइन नम्बर जारी किये जाएंगे। मुख्य सचिव और मण्डल आयुक्त को हर सप्ताह समीक्षा किये जाने के निर्देश भी दिये।

सीएम ने कहा कि यात्रा की भव्यता के लिये सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। यात्रा की बेहतर व्यवस्थाओं के लिये प्रतिनिधियों, नन्दा राजजात यात्रा समिति के सदस्यों और हितधारकों के सुझाव लिए जाएं। यात्रा के सफल संचालन को उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। पिछली यात्राओं के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्थाओं के साथ्ज्ञ ही भोजन और स्नान घरों की व्यवस्था भी हो।

क्वारब में दिक्कत और टेंडर का झगड़ा

अल्मोड़ा। खतरनाक हो चुके क्वारब की समस्या का विकल्प बने डोबा-चौसाली के प्रस्तावित मोटर मार्ग के निर्माण कार्य के टेण्डर को लेकर विभाग और कांग्रेसियों में टकराव हो चुका है। गुस्साए कार्यकर्ताओंने लोनिवि आफिस में धरना दिया और नारे लगाए। दूसरी ओर विभागीय अधिकारी आपदा की दृष्टि से जल्द से जल्द काम कराने की बात कर रहे हैं।

कांग्रेसियों के प्रदर्शन के दौरान अधि कारियों के आफिस न आने पर गुस्साए लोगों ने टैंट लगा लिया और वहीं जम गये। विधायक मनोज तिवारी का कहना है कि साढ़े दस करोड़ रुये की योजना को बिना टेण्डर कैसे कराया जा सकता है। यह सरासर आपदा में अवसर ढूंढने की योजना है। जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि भाजपा सत्ता के बल पर अपने लोगों को आर्थिक लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। जनता की समस्याओं को लेकर सरकार गम्भीर नहीं है। बाद में लोनिवि ने लिखित आश्वासन दिया कि टेण्डर के बाद सड़क का काम होगा।

नन्दा देवी मेला 28 अगस्त से

नैनीताल। ऐतिहासिक नन्दा देवी मेला 28 अगस्त से 5 सितम्बर तक मनाया जायेगा। श्रीराम सेवक सभा की बैठक में यह निर्णय लिया गया। तय हुआ कि हर बार की तरह इस बार भी भव्य तरीके से आयोजन होगा। इसके अलावा रामलीला पर भी चर्चा हुई और तय हुआ कि 22 सितम्बर से रामलीला शुरू होगी और 2 अक्टूबर को दशहरा होगा। समिति के अध्यक्ष मनोज साह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जगदीश बवाड़ी, विमल चौधरी, राजेन्द्र बिष्ट, विमल साह आदि मौजूद थे।

ड्रोन से होगी कांवड़ की निगरानी

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्ध न प्राधिकरण का ड्रोन कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार में तैनात रहेगा। इससे भीड़भाड़ वाले स्थलें, घाटों, पुलों की निगरानी की जाएगी। राज्य का आपातकालीन परिचालनकेन्द्र नियमित विजुअल निगरानी करेगा। कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में यह निर्देश दिये गये।

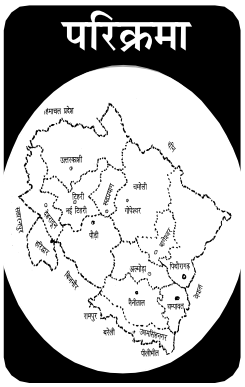

पालिका सेवानिवृत्त कर्मचारी परेशान

नैनीताल। नगर पालिका सेवानिवृत्त 25 कर्मचारी उनके लम्बित देयकों का भुगतान नहीं होने से परेशान हो चुके हैं। संगठन की ओर से लगातार विभागीय अधि कारियों समेत पालिकाध्यक्ष से इसकी मांग की जा रही है। आर्थिक तंगी से जूझ रही पालिका में वर्ष 2022 के बाद सेवानिवृत्त इन कर्मचारियों को 3.5 करोड़ रुपये का भुगतान होना है।

रानीखेत में कथक नृत्य कार्यशाला

रानीखेत। सांस्कृतिक समिति द्वारा द्वारा कथक नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ.जया पाण्डे, रमा माहरा, प्रीति पाण्डे ने इसका उद्घाटन किया। भावनगर गुजरात से आए प्रशिक्षक जिगर भट्ट व निष्ठा देसाई के द्वारा बच्चों को नृत्य की बारीकियां सिखाई गई। विमल सती के संचातन में सभी ने इस आयोजन को सराहा। उल्लेखनीय है कि सन् 1998 में भातखण्डे विद्यापीठ लखनऊ द्वारा रानीखेत में संगीत कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

द्रोपदी : अपने.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

विवाह हो या न हो, इस पर कुन्ती विस्मित है, धर्मराज कहे जाने वाले युधिष्ठिर चिन्तित हैं और पिता द्रुपद किंकर्तव्यविमूढ़ हैं। पर द्रौपदी? उसके चेहरे पर कोई शिकन तक नहीं, उसके व्यवहार में कोई उतावलापन नहीं और आगे चलकर पाँच पतियों की अकेली पत्नी के रूप में उस पर किसी को कोई आपत्ति तक नहीं। बल्कि पाँच पतियों की अकेली पत्नी के रूप में द्रौपदी का आचरण इतना आदर्श और अनुकरणीय माना गया, तभी तो महाभारतकार ने उसके इस पत्नी रूप को दैवी गरिमा प्रदान कर दी और ऐसी कथाओं-उप कथाओं की सृष्टि अपने प्रबन्धकाव्य में में की कि जिससे द्रौपीदी का जीवन दिव्य वरदानों का परिणाम नजर आए। जैसे कुन्ती के प्रणीत पुत्रों को देवताओं का आशीर्वाद बताकर गौरव से भर दिया गया, वैसे ही द्रौपदी के पाँच पुरुषों (बेशक पाँचों भाइयों) की पत्नी होने को भी तपस्या और वरदान का नताजा बताकर उसे अभा से भर दिया गया। महाभारतकार और इतिहास का द्रौपदी के प्रति इतसे बड़ा श्रद्धावदान और क्या हो सकता है? बेशक महाप्रस्थानिक पर्व (अध्याय 2, श्लोक 6) में युधिष्ठिर फतवा सा देते हैं कि चूंकि द्रौपदी का अर्जुन से विशेष पक्षपात था, इसलिए वह सबसे पहले मृत्यु को प्राप्त हो रही है। पर न तो महाभारतकार और न जन सामान्य ने इस युधिष्ठिर वाणी को कोई मान्यता दी है। और अगर पक्षपात था भी तो वह स्वभाविक और धर्मपूर्ण था और स्वयंवर कथा का जानकार हर भारतीय इसके पीछे के रहस्य को जानता है कि अर्जुन के कारण ही द्रौपदी पाँचों भाइयों की पत्नी बन सकी थी।

बाल्यकाल में मिले जिस प्रशिक्षण के कारण द्रौपदी और धृष्टद्युम्न का जैसा प्रतिरोधी चरित्र बना, क्या उसमें भी हमें अन्तर नहीं देखना चाहिए? धृष्टद्युम्न तो इस हद तक चला गया कि उसने निहत्थे द्रोण का सिर अपनी तलवार से काट दिया। और जब अर्जुन, सात्यकि आदि ने उसके इस कठोर कर्म की भर्त्सना की तो द्रुपद पुत्र ने अपने कृत्य का पुरजोर समर्थन किया। उसके कुछ तर्क तो दिमाग को हिला देने वाले हैं। मसलन, उसका यह सवाल (द्रोण पर्व, 197, 24-26) कि यज्ञ, अध्यापन आदि कर्म कभी न करने वाले द्रोण को किस आधार पर ब्राह्मण जैसा मान लिया जाए? पर अपने भाई के इस तरह के मानस के बावजूद, अपने चीरहरण के समय द्रोण के चुप रह जाने के बावजूद, अभिमन्यु को घेरकर की गई हत्या में शामिल सात महारथियों में द्रोण के शामिल होने के बावजूद द्रौपदी ने द्रोणाचार्य का हमेशा सम्मान रखा और अपने पतियों का गुरु होने का आदर उन्हें हमेशा दिया। उसने गुरुपुत्र होने के कारण ही उस अश्वत्थामा का भी वध नहीं होने दिया, जिसने पाँचों पुत्रों की सोते में हत्या कर दी थी। तुलना करेंगे तो द्रौपदी के चरित्र की विलक्षणता समझ में आएगी। भाई धृष्टद्युम्न ने चारों ओर से अपने लिए बरसती धिक्कारकी परवाह न करके भी निहत्थे द्रोण को मार डाला, क्योंकि उस पर वैसा न करने का कोई दबाव नहीं था। परन्तु द्रौपदी ने इस हद तक नैतिक बन्धन में खुद को खुद ही बाँध लिया कि उसने न केवल वह आदर द्रोण को दिया, बल्कि द्रोणपुत्र अश्वत्थामा को क्षमा करने में भी द्रौपदी ने अपने इसी नैतिक शिखर का परिचय दिया।

इसके विपरीत पिता से मिले प्रशिक्षण ने द्रौपदी को कैसे धैर्य, पुरुषार्थ और उद्योग की प्रतिमूर्ति बना दिया था, उसके बारे में जानना हो तो महाभारत के वन पर्व और विराट पर्व को पढ़ जाइए। जब भी मौका मिला, द्रौपदी ने अपने पतियों को पुरुषार्थ से भर देने का कर्तव्य निभाया, बेशक पूरे धैर्यपूर्वक वह उनके साथ वनवास और अज्ञातवास के कष्ट भी भोगती रही। अगर युधिष्ठिर की बात ही मान ली जाए कि द्रौपदी का अपने पाँचों पतियों में से अर्जुन से विशेष अनुराग था, तब तो इसे हम द्रौपदी का परम बलिदान माने बिना नहीं रह सकते कि वनवास के दौरान जब वेदव्यास ने अर्जन को तपस्या करने को कहा तो अर्जुन के बिना न रह सकने वाली द्रौपदी ने उसे उग्र तपस्या की प्रेरणा दी और भरोसा दिलाया कि वह उसके बिना भी यथाकर्थंचित रह लगी (वन पर्व अध्याय 37)।

द्रौपदी के अद्वितीय नारी चरित्र के एक रूप की चर्चा हम लोगों के बीच बहुत कम होती है कि वह कृष्ण की सखी थी। महाभारत में कम से कम दो स्थानों पर द्रौपदी ने कृष्ण के साथ अपने सखीभाव अर्थात मैत्री की दुहाई दी है। (वन पर्व 12.61) का प्रकरण है। पाण्डव लोग जुआ हार चुके हैं और जंगल में भटक रहे हैं। वहाँ कृष्ण उनसे मिलने आए और द्रौपदी ने अपने पुराने साथी को अपनी वेदना बताई कि कैसे पाँच पाँच महारथी पतियों के रहते उसका तिरस्कार हुआ और वहीं पर द्रौपदी कहती हैं कि पाँच पाण्डवों की पत्नी, कृष्ण की सखी और धृष्टद्युम्न की बहन का अपमान हो गया- 'तव कृष्ण सखी विभो।' उसी अध्याय में आगे चलकर द्रौपदी (श्लोक 127 में) कहती है कि अर्जुन के कारण ही द्रौपदी पाँचों भाइयों की पत्नी बन सकी थी।

धारचूला में जनाक्रोश

जुलूस निकालकर थाना घेरा, झूलापुल में ताला

कमलेश के हत्यारों को फांसी दो

नेपाल प्रशासन से सहयोग को ज्ञापन दिया

हत्यारों की सूचना देने वाले क ो एक लाख का इनाम की घोषणा

धारचूला। कमलेश हत्याकाण्ड में आरोपी की गिरफ्तारी ने होने से जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। बताया जा रहा है कि आरोपियों को पकड़ने की मांग के बावजूद नेपाल में उन्हें संरक्षण देने वालों से पूछताछ तो हुई लेकिन असल आरोपियों को पकड़ा नहीं गया। ऐसे में नाराज लोगों ने चेतावनी दी है कि वह न्याय होने तक लड़ते रहेंगे।

प्रदर्शनकारियों ने जुलूस निकाल कर थाना घेरा और अन्तर्राष्ट्रीय झूला पुल पर ताला लगा दिया। पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शन कारियों ने कहा कि हत्यारे खुलेआम नेपाल में घूम रहे हैं। नेपाल पुलिस ने उन्हें पकड़ कर भारत को सौंपना चाहिये। गौरव सेनानी संगठन के अध्यक्ष कैप्टन भूपाल रावत के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने कमलेश हत्याकाण्ड के आरोपियों को पकड़ने और फांसी देने की मांग की है।

आन्दोलनकारियों ने पुल के पास सभा करते हुए तीन नामजद आरोपियों के न पकड़े जाने पर कहा कि भारत नेपाल के बीच रोटी बेटी के रिश्ते हैं ऐसे में नेपाल प्रशासन को सहयोगी बनना चाहिये। यदि नेपाल से सहयोग नहीं किया जाता है तो भारतीय क्षेत्र में कार्य कर रहे नेपाली नागरिकों को सम्मान पूर्वक नेपाल भेज दिया जायेगा। प्रदर्शन करने वालों में जितेन्द्र वर्मा, हरीश गुंज्याल, प्रकाश गुंज्याल, जीवन बिष्ट, महेन्द्र बुदियाल, किशन रावत, नवीन थलाल, सुरेश जेठा, कमलेश पाल, ओपी वर्मा, प्रेम बल्लभ भट्ट, गोपी चन्द, शम्भू रावत आदि थे।

हत्याकाण्ड में नेपाल प्रशासन से मदद करने का आग्रह लेकर गौरव सेनानी संगठन ने नेपाल दार्चुला जाकर दार्चुला के जिलाधिकारी/सीडीओ अनिल पौडेल को ज्ञापन भी दिया है। नेपाल प्रशासन ने सहयोग की बात कही। इस बीच कमलेश को न्याय दिलाने के लिये संघर्ष कर रहे लोगों ने हत्यारों का पता बताने वाले को एक लाख रुपये का नगद इनाम देने की घोषणा की है। कहा धारचूलावासी कमलेश दानू के हत्यारे का पता बताने वाले को ईनाम देंगे।

उल्लेखनीय है कि 7 जून 2025 को गडाल गलाती निवासी कमलेश दानू (23) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। खून से लतपथ कमलेश पर हमला क्यों हुआ इसकी वजह जाँच में पता चलेगी। मामले में चंदू खैर, सचिन नबियाल और अन्य साथियों को नामजद कराते हुए पुलिस तहरीर सौंपी गई। उसी दिन से पूरे धारचूला में हत्यारों को सजा की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी है। इस बीच एसपी रेखा यादव ने धारचूला पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया। उन्हें बताया गया कि नगरपालिका रोड में कमलेश की निर्मम हत्या कर आरोपी नेपाल भाग गए। एसपी ने भरोसा दिलाया कि मित्र देश नेपाल से भी बात की जा रही है और अभियुक्तों को नहीं छोड़ा जाएगा।

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न. 8958525979, 9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हल्द्वानी में अजब लुक्काचुप्पी

नोटिस पर नोटिस और आड़ में नेतागर्दी

सच्चाई छोड़, नजूल का खौफ दिखाया जा रहा

नालों पर हुए कब्जे हटाने के लिये लट्ठमपेल

सुभाषनगर, आवासविकास को लेकर भड़के हैं

दमुवाढूंगा में पार्टीबाजी के साथ-साथ डर बरकरार

हल्द्वानी। शहर सजावट और चौड़े होने की खुशी मनाई जा रही है लेकिन अजब लुक्काचुप्पी चल रही है। हल्द्वानी बसने के साथ ही समय-समय पर कब्जे होते रहे हैं और नालों, गूलों, नालियों तक को घेरा जा चुका है। नेताओं का आशीर्वाद और नेताओं की बरसात इस शहर ने देखी है। अधिकारियों के रौब और दबंगों की धमक भी खूब देखी है। इतना सब कुछ देखने के बाद भी शहर फैलता गया और राजनीति का पारा चढ़ता रहा। वर्तमान का हल्द्वानी एकदम बदलने को तैयार है तो दबादब नोटिस जारी होने लगे हैं। आवाज उठाने वाले दमदार लोग तो रहे नहीं। नेताओं द्वारा अगुवाई करने का रास रचा जा रहा है। जिन पर बीत रही है वह बेबस हैं और नजूल का खौफ अलग से है। ऐसे में इस शहर का क्या होने वाला है विचार करना चाहिये।

सबसे पहले शहर की सड़कों को चौड़ा करने और चौराहों को फैलाने के लिये अभियान छिड़ा तो तोड़फोड़ शुरू हुई और प्रशासन के अभियान को दमदार माना गया। बावजूद शहर के मुख्य मार्गों पर फुटपाथों पर हुए अतिक्रमण आज तक नहीं हटाये जा सके हैं, शहर के पुराने नालों पर हुए कब्जे नहीं हटाये जा सके हैं। नालों पर कब्जे हटाने के लिये लालढांड क्षेत्र के नाले पर ज्यादा धार दी गई है। कब्जे हटाने और नोटिस देने तक के वीडियो सोशल मीडिया पर जोर पकड़ रहे हैं। कहा गया कि बरसात में पानी निकासी के रास्ते खोले जा रहे हैं। इसके बाद इधर-उधर के नालों पर कब्जे हटाने के लिये लट्मपेल हुई लेकिन बाजार के नाले-नाली आज भी कब्जे में हैं।

प्रशासन ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए काठगोदाम सहित विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में नोटिस भेज दिये। आवास विकास, सुभाष नगर नोटिस को लेकर भड़क गया। विधायक सुमित हृदयेश ने गुस्सा दिखाते हुए कहा कि आखिर लोगों को उजाड़ कर कैसा शहर बसाना चाहते हैं? वह ऐसी कार्यवाही को बर्दाश्त नहं करेंगे। इस बीच कांग्रेसी नेता ललित जोशी भी प्रभावित लोगों के पक्ष में आवाज उठा रहे हैं। काठगोदाम से लेकर लालडांट तक सैकड़ों लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में प्रशासन देवखड़ी व रसकिया नाले पर अतिक्रमण के नाम पर नोटिस दे चुका है। इन नोटिस से लगभग 20 हजार लोग प्रभावित होंगे। कहा कि पानी निकासी के लिये पूर्व में करोड़ों रुपये खर्च कर नालों को गहरा किया गया था लेकिन यह उपाय भी कारगर नहीं रहा। अब कमजोर व मध्यम वर्ग के लोगों के घरों को अतिक्रमण बताते हुए नोटिस थमाए गए हैं। जबकि इस समस्या का हल नाले की दिशा परिवर्तन से भी हो सकता है।

दूसरी ओर नोटिस के विरोध में लोग आयुक्त दीपक रावत से भी मिले। आयुक्त ने आश्वासन दिया कि जांच के बाद ही कार्यवाही होगी। कहा नाला चौड़ीकरण के लिये किसी का घर नहीं तोड़ा जाएगा, यदि नाले के ऊपर किसी ने अतिक्रमण किया है तो इसकी जांच अवश्य होगी।

इसके अलावा शहर में नजूल की बात करते हुए यहाँ डराने का सिलसिला शुरू से रहा है। पीढ़ियों से शान्तिपूर्वक जीवन यापन करने वालों को यह भय सताता रहता है कि 'नजूल' का डण्डा पता नहीं क्या करेगा? ऐसी कौन सी रीत है जिससे न्याय मिल सके। नोटिस पर नोटिस जारी होने वाले शहर में नेतागर्दी बेलगाम है। तर्कपूर्ण बात रखने वालों की जगह नये उपजते नेताओं ने ले ली है, जिस कारण हंगामा होता रहता है ताकि सोशल मीडिया के लिये मसाला तैयार होता रहे। दमुवाढूंगा में लोगों को हटाने का डर भी बराबर है। पार्टीबाजी का दौर लगातार चल रहा है और नेतागण लोगों को आश्वासन देते रहे हैं।

कुल मिलाकर नगर से महानगर बन चुके हल्द्वानी में उचाट मचा हुआ है और बदली और बदला तो होना तय है।

पिघलता हिमालय स्थापना के 48वें वर्ष में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

पुष्पराज गर्ब्याल
एडवोकेट
ए-29 जज फार्म, हल्द्वानी

श्रीमती नन्दा डसीला
अवन्तिका
विवेकानन्द विहार
हल्द्वानी

डॉ.गणेश मेवाड़ी
परामर्शदाता
मानस
(ADDICTION RECOVERY CENTER)
निकट- आम्रपाली ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट
किरोला पेट्रोल पम्प
लामाचौड़,
हल्द्वानी

डॉ. एन.एस.गनघरिया
ग्राम- छड़ायल सुयाल
हिमालयन कलौनी
पश्चिम मानपुर,
हल्द्वानी

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)